पाठ -८ कढ़ाई कला

आपने बाजार में रेडीमेड (सिले सिलाये) वस्त्रों में कढ़ाई देखी होगी। क्या आप जानते हैं कि कढ़ाई कैसे करते हैं? सुई तथा रंगीन धागों से वस्त्रों पर नमूना बनाने को ही कढ़ाई कहते हैं।

कढ़ाई कला बहुत उपयोगी कला है। कढ़ाई के द्वारा हम विभिन्न वस्त्रों में सजावट करके उसकी सुंदरता, शोभा और आकर्षण बढ़ाते हैं। बाजार में कढ़े हुए वस्त्र मंहगे मिलते हैं। हम घर पर कम पैसों में कढ़ाई करके अपने वस्त्रों की सजावट कर सकते हैं।

कढ़ाई के प्रकार (Type of Embroidery)

1. **मशीन द्वारा कढ़ाई -** विभिन्न प्रकार की कढ़ाई मशीनों द्वारा की जाती है। इसके लिए बाजार से मशीन खरीदना पड़ता है।

2. **हाथ द्वारा कढ़ाई -** यह विधि सस्ती, सरल और सुलभ है। इसमें हम सुई, रंगीन धागा, फ्रेम आदि की सहायता से मनचाहे वस्त्र जैसे- मेजपोश, तकिया का गिलाफ, रूमाल आदि पर कढ़ाई करते हैं।

कढ़ाई में प्रयुक्त उपकरण

कढ़ाई में प्रयुक्त उपकरण

1. वस्त्र- कढ़ाई के लिए पक्के रंग का वस्त्र लेना चाहिए।

2. नमूना या डिजाइन- नमूना भी वस्त्र के अनुसार छोटा या बड़ा होना चाहिए। रूमाल के लिए छोटा नमूना और मेजपोश के लिए कुछ बड़ा नमूना हो।

3. ट्रेसिंग पेपर- यह पतला कागज होता है। चित्र पर रखने से चित्र दिखाई देता है। इसलिए इसे नमूने के ऊपर रखकर नमूना उतारते हैं।

4. कार्बन पेपर - इससे भी कपड़े पर नमूना छापते हैं। कार्बन पेपर कई रंग के होते हैं- लाल, नीला, काला, सफेद आदि। गहरे नीले, काले वस्त्र पर लाल या सफेद कार्बन पेपर से छापते हैं। हल्के रंग के वस्त्र पर काले नीले कार्बन पेपर से छापते हैं।

5. पेंसिल - यह नमूना उतारने और छापने के काम आती है।

6. सुई- सुई कई प्रकार की होती है- पतली, मोटी,, मैटी एवं मशीन की सुई। साधारण वस्त्र पर कढ़ाई करने के लिए पतली सुई का प्रयोग करते हैं।मैटी के लिये मैटी की सुई प्रयोग करते हैं।

7. धागा - विभिन्न प्रकार के रंगीन धागे कढ़ाई करने के काम आते हैं।

8. फ्रेम - यह लकड़ी या प्लास्टिक का गोलाकार होता है जिसे फ्रेम कहते हैं। इसमें लगाकर कपड़े को तान देते हैं जिससे कढ़ाई करने में सुविधा होती है।

9. छोटी कैंची - धागा काटने के काम आती है।

10. कढ़ाई किट - इसमें कढ़ाई का सभी सामान एकत्रित रखते हैं ताकि सामान सुरक्षित और साफ रहे।

आपके घर में कढ़ाई करने के लिए कौन-कौन सामग्रियाँ हैं? अपनी माँ से पूछकर अभ्यास पुस्तिका में लिखिए।

वस्त्र पर नमूना उतारने या छापने की विधि

1. कार्बन पेपर द्वारा

2. लकड़ी के ठप्पों द्वारा

3. महीन कपड़ों को नमूने के ऊपर रखकर पेंसिल से नमूना छाप लेते हैं।

कढ़ाई करते समय ध्यान देने योग्य बातें

- नमूना वस्त्र के अनुकूल हो, छोटे वस्त्र पर छोटे नमूने तथा बड़े वस्त्रों पर कुछ बड़े नमूने बनाते हैं।
- धागों के रंगों का उचित चुनाव करना चाहिए। फूल के लिए लाल, गुलाबी, पीला नारंगी, बैंगनी रंग के विभिन्न हल्के, गहरे रंग का प्रयोग करें तथा पत्ती के लिए हरे रंग का प्रयोग हो। धागों का रंग पक्का और चमकदार होना चाहिए।
- गाँठ नहीं दिखना चाहिए। धागे की गाँठ को कढ़ाई में छुपा देते हैं।
- टाँके मजबूत हों ताकि कढ़ाई खुल न सके।
- हाथ धोकर साफ हाथों से कढ़ाई करें।
- सुई में धागा छोटा डालना चाहिए। बड़ा धागा डालने से कढ़ाई करते समय वह उलझ जाता है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि कढ़ाई का ज्ञान हमारे लिए अत्यंत उपयोगी है। इसका फैशन कभी पुराना नहीं होता। इसका आकर्षण भी कभी कम नहीं होता।

कढ़ाई कला के लाभ

- घर के विभिन्न कमरों में प्रयुक्त होने वाले वस्त्रों की सजावट कढ़ाई के द्वारा करते हैं। जैसे- बैठक (ड्राइंग रूम) के दीवान की चादर, मेजपोश, सोफा कवर, कुशन कवर, मसनद कवर आदि पर सुंदर सी कढ़ाई करने से उसकी सुंदरता बढ़ जाती है।

- खाने की मेज (डाइनिंग टेबिल) को सुंदर और सुरक्षित रखने के लिए उसके ऊपर बिछाने के लिए मेजपोश और टेबिल मैट्स पर कढ़ाई करते हैं। खुली आलमारी के पर्दे, शीशा कवर, ड्रेसिंग टेबिल
- (शृंगार मेज) कवर पर कढ़ाई करने से वस्त्र, कमरा और घर सब की शोभा बढ़ जाती है।
- पहनने वाले वस्त्र सलवार-सूट, साड़ी, ब्लाउज तथा बच्चों के वस्त्र फ्रॉक, झबला स्कार्फ, बिब आदि पर कढ़ाई करने से उसकी सुंदरता बढ़ जाती है।
- खाली समय का उपयोग कर सकते हैं एवं धन कमा सकते हैं।
- मनचाहे वस्त्र पर मनचाही डिजाइन काढ़ सकते हैं।

वस्त्रों को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए कढ़ाई उत्तम साधन है। कढ़ाई करने के लिए अनेक टाँकों या स्टिच का प्रयोग करते हैं जैसे- कच्चा टाँका, काथा स्टिच, स्टेम स्टिच (उल्टी बखिया) चेन स्टिच, बटन होल स्टिच, लेजी डेजी, कश्मीरी स्टिच, साटन स्टिच, क्रास स्टिच आदि। अभी हम लोग चेन स्टिच, स्टेम स्टिच, लेजी डेजी और बटन होल स्टिच से कढ़ाई करना सीखेंगे।

चेन स्टिच

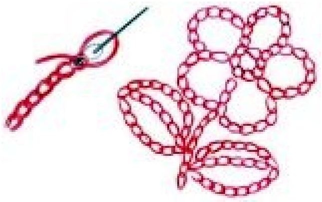

इसे जंजीरा कढ़ाई भी कहते हैं। इससे फूल पत्ती का बाहरी किनारा (आउट लाइन) और फूल पत्ती को भरकर भी बनाते हैं। इसमें एक ही बिंदु पर दुबारा सुई घुसाकर आगे की ओर सुई को धागे के ऊपर से निकालते हैं। यही क्रिया दोहराने से चेन स्टिच बन जाएगी। यह ध्यान रहे कि टंाके एक बराबर ही हों।

स्टेम स्टिच

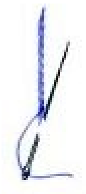

इसे उल्टी बखिया भी कहते हैं। सीधी तरफ हाथ से बखिया करके उल्टी तरफ देखो। जो कढ़ाई की लाइन दिखाई देगी उसे ही उल्टी बखिया अथवा स्टेम स्टिच कहते हैं। इसे बनाने के लिए नीचे की ओर से सुई घुसाकर ऊपर (आगे) की ओर निकालते हैं। यही क्रिया दोहराते हैं।

लेजी-डेजी कढ़ाई

इस कढ़ाई से हम छोटे बड़े फूल तथा पत्ती बना सकते हैं। इसका टाँका भी चेन स्टिच की तरह लेते हैं। यह कढ़ाई चादर, मेजपोश, तकिया का गिलाफ, रूमाल आदि किसी भी वस्त्र पर कर सकते हैं।

बटन होल स्टिच

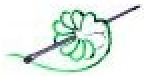 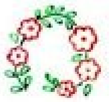

इसका टाँका काज स्टिच की तरह से लेते हैं। एक ही बिंदु पर बार-बार सुई घुसा कर सुई के आगे धागा करके गोलाई से बनाते हैं। इससे छोटे-छोटे फूल और फूलों का गुच्छा बना सकते हैं। इस स्टिच से बच्चों के वस्त्रों पर सुंदर कढ़ाई की जाती है।

अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

रिक्त स्थानों की पूर्ति करिए-

(क) कढ़ाई करने के लिए .... धागों का प्रयोग करना चाहिए।

(ख) ...... वस्त्र तानने के काम आता है।

(ग) कार्बन पेपर से नमूना .... जाता है।

(घ) रुमालों पर .... नमूने सुंदर लगते हैं।

2. अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

(क) वस्त्र पर नमूना छापने की विधियों के नाम लिखिए।

(ख) कढ़ाई करने वाले टाँकों के नाम लिखिए।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न

(क) कढ़ाई कला के लाभ लिखिए।

(ख) कढ़ाई करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) कढ़ाई कला में उपयोगी उपकरणों के नाम एवं उनके प्रयोग लिखिए।

(ख) कढ़ाई करने के किन्हीं एक टाँके बनाने की प्रक्रिया लिखिए।

प्रोजेक्ट वर्क-

- एक मेजपोश पर नमूना छापकर मिली-जुली स्टिच से कढ़ाई करें।

- शिक्षक की सहायता से कढ़ाई किट बनाकर उसमें कढ़ाई की जाने वाली सामग्रियों को रखिए।